

परिशिष्ट संदर्भग्रंथसूची

- १) लेखक- प्रा. म. ना. आदवंत : मराठी लघुकथेचा इतिहास
प्रकाशन- नीहारा प्रकाशन, पुणे.
(इ.स. १८९० ते १९६०)
आवृत्ति- प्रथम ५ एप्रिल १९९३
- २) लेखक- वि. स. खांडेकर : पाच कथाकार
प्रकाशक - देशमुख आणि कंपनी, पुणे.
आवृत्ति- प्रथम, १९६२.
- ३) लेखक- डॉ. अ. ना. देशपांडे : आधुनिक मराठी वाङ्मयाचा
इतिहास भाग - २
प्रकाशन - व्हीनस प्रकाशन, पुणे,
आवृत्ति - द्वितीय.
- ४) लेखक - अंजली सोमण : मराठी लघुकथेची स्थितीगती
प्रकाशन - प्रतिमा प्रकाशन, पुणे,
आवृत्ति - प्रथम, १९९५.
- ५) लेखक - श्री. ना. बनहट्टी : प्रदक्षिणा, भाग - १
(१८४० ते १९६०)
प्रकाशन - कॉन्टिनेन्टल प्रकाशन, पुणे,
आवृत्ति - पाचवी, २००२.

- ६) लेखक - डॉ. वि. भा. देशपांडे मराठी नाटक आणि रंगभूमी पहिले शतक
प्रकाशन - व्हीनस प्रकाशन, पुणे,
आवृत्ती - पहिली, ६ नोव्हेंबर, १९८८.
- ७) लेखक - गो. म. कुलकर्णी मराठी नाट्यसृष्टी
प्रकाशन - मेहता पब्लिशिंग हाऊस, पुणे.
आवृत्ती - प्रथम, जून १९९३.
- ८) लेखक - चंद्रकांत बांदिवडेकर मराठी कादंबरीचा इतिहास (१९२०-१९४७)
प्रकाशन - मेहता पब्लिशिंग हाऊस, पुणे,
आवृत्ती - द्वितीय, ऑक्टो. १९९६.
- ९) संपादक - शांताराम वाघ. 'मृत्यूंजयकार' शिवाजी सावंत
व्यक्ती आणि साहित्य
प्रकाशक - शशीदीप प्रकाशन, पुणे,
आवृत्ती - प्रथम, १ जानेवारी, २००१.
- १०) संपादक - जयराम देसाई युगंधर साहित्यिक
प्रकाशन - कमळाई प्रकाशन, पुणे,
आवृत्ती - प्रथम, ३० डिसेंबर, २००२.
- ११) लेखक - शिवाजी सावंत युगंधर श्रीकृष्ण : एक चिंतन
प्रकाशन - मेहता पब्लिशिंग हाऊस, पुणे,
आवृत्ती - प्रथम, फेब्रुवारी, १९९७.
- १२) लेखक - दाजी पणशीकर कर्ण खरा कोण होता ?
प्रकाशन - रविराज प्रकाशन, पुणे,
आवृत्ती - आठवी, १९९९.

- १३) लेखक : कै. डॉ. प्रा. सौ. कमल गोखले शिवपुत्र संभाजी
 प्रकाशन - कॉन्टिनेन्टल प्रकाशन, पुणे,
 आवृत्ती - चौथी, २००१.
- १४) लेखक - शिवाजी सावंत युगंधर
 प्रकाशन - कॉन्टिनेन्टल प्रकाशन, पुणे,
 आवृत्ती - प्रथम, पुर्नमुद्रण - २००५.
- १५) लेखक - शिवाजी सावंत मृत्युंजय
 प्रकाशन - कॉन्टिनेन्टल प्रकाशन, पुणे,
 आवृत्ती - प्रथम, पुर्नमुद्रण - २००२.
- १६) लेखक - शिवाजी सावंत छावा
 प्रकाशन - कॉन्टिनेन्टल प्रकाशन, पुणे,
 आवृत्ती - प्रथम, १९७९.
- १७) संपादक - एच. डी. वेलणकर श्री. मच्छंभृनृपविरचतम
 बुधभूषणम (संस्कृत- इंग्लिश)
 प्रकाशन - भांडारकर प्राच्य विद्या
 संशोधक केंद्र, पुणे.
 Government Oriental Series
 Class Three No. 3 1926
- १८) लेखक - डॉ. सोमनाथ रोडे मराठयांचा इतिहास
 प्रकाशन - पिंपळपुरे अँड कं.
 पब्लिशर्स, नागपूर,
 आवृत्ती - प्रथम, जून १९९८.

- १९) संपादक - का. ना. साने, मल्हार रामराव चिटणीस विरचित श्रीमंत
छत्रपती संभाजी महाराज यांचे चरित्र पुणे.
आवृत्ती - ३री, १९१५, (मराठी)
- २०) भगवद्गीता (मराठी अनुवाद)
- २१) ज्ञानेश्वरी

मासिक व नियतकालिक

- २१) दि. वी. आमोणकर रत्नाकर, लेखांक ६ मराठी लघुकथा
ऑक्टोंबर - १९३०.
- २) संपादक- महिपसिंह संचेतना दलित साहित्य विशेषांक, डिसें. -
मार्च १९८२.
- ३) डॉ. किशोर सानप, प्रतिष्ठान, साठोत्तरी मराठी कादंबरी
वास्तववादी प्रवृत्तीचा विकास
औरंगाबाद, मार्च - एप्रिल १७.
- ४) उषाहस्तक मराठीतील आत्मचरित्रात्मक : लेखन आणि
आहे मनोहर तरी प्रतिष्ठान, औरंगाबाद,
सप्टें. - ऑक्टों. १९९२

पी. एच. डी. प्रबंध

- १) प्रा. सौ. डॉ. नलिनी आबासाहेब महाडीक मराठी राजकीय कादंबऱ्या (मराठी)
(१८८५ ते १९८५)
शिवाजी विद्यापीठ कोल्हापूर, १९९०.

शिवाजी सावंत यांच्या 'मृत्युंजय' ला भारतीय ज्ञानपीठाचा

ॐ

सर्वज्ञं तदहं बन्धे पदं ज्योतिरन्तरोऽपहृजम् ।
प्रवृत्ता यन्मनुष्याद् देवी सर्वभाषा स्वव्यक्तनी ॥

प्रशस्ति

भारतीय ज्ञानपीठ वर्ष १९९४ का 'मूर्ति-देवी पुरस्कार' मराठी के बदाकरी उपन्यासकार श्री शिवाजी सावंत को उनकी प्रकाशित मराठी कृति 'मृत्युंजय' के लिए अर्पित करता है ॥

सन १९४० में जन्मे श्री शिवाजी गोविन्दराव सावंत के बचपना-कर्म का प्रारम्भ कविता से हुआ, लेकिन शीघ्र ही वे गद्य-लेखन की ओर प्रवृत्त हुए। अब तक मराठी भाषा में उनकी सात कृतियाँ प्रकाशित हो चुकी हैं, जिनमें 'मृत्युंजय' (१९६७) और 'धारा' (१९६९) शीर्षक ग्रन्थकाय उपन्यास विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं ॥ उनकी इस कालखरी कृति की जीव्यता और अपार लोकप्रियता मिली है, वह निरन्तर दिव्य और दुर्लभ है। 'मृत्युंजय' के अब तक हिन्दी, अंग्रेजी, गुजराती, कन्नड, मलयालम, बांग्ला आदि भारतीय भाषाओं में अनुवाद प्रकाशित हो चुके हैं।

'मृत्युंजय' उपन्यास में महाभारत के मुख्य पात्रों के बीच कर्ण जैसे विवाद यज्ञ की ओर झुकी और सर्वांगीण रूढ़ि प्रस्तुत करते



हुए श्री सावंत ने जीवन की व्यर्थता, उसकी निचिरी और व्यर्थ-चिन्ता तथा मानव-सम्बन्धी की दृष्टि एवं संस्कार-रीत्यता की मार्मिक और कलात्मक अभिव्यक्ति की है। 'मृत्युंजय' में पौराणिक कथ और साहित्य सांस्कृतिक चेतना के अन्त-सम्बन्धों को पूरी गहराई एवं शक्ति के साथ उजागर किया गया है।

श्री सावंत अनेक पुरस्कारों से सम्मानित हैं, जिनमें अहमदाबाद साहित्य पुरस्कार, गुजरात राज्य साहित्य अकादेमी पुरस्कार, महाराष्ट्र साहित्य परिषद् पुरस्कार आदि सम्मिलित हैं।

श्री शिवाजी सावंत दीर्घायु हैं और अपने अवकाश से साहित्य-जगत को समृद्ध करते रहे, यही आदर्श ज्ञानपीठ की अंमलकारणा है।

नयी दिल्ली
६ फरवरी १९९६

लक्ष्मीनन्द सिंघवी	अधीक कुमाव जैन
अध्यक्ष	अध्यक्ष
निर्वाहक अध्यक्ष	भारतीय ज्ञानपीठ

मूर्तिदेवी पुरस्कार १९९६